एनएचपीसी

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व
और धारणीयता

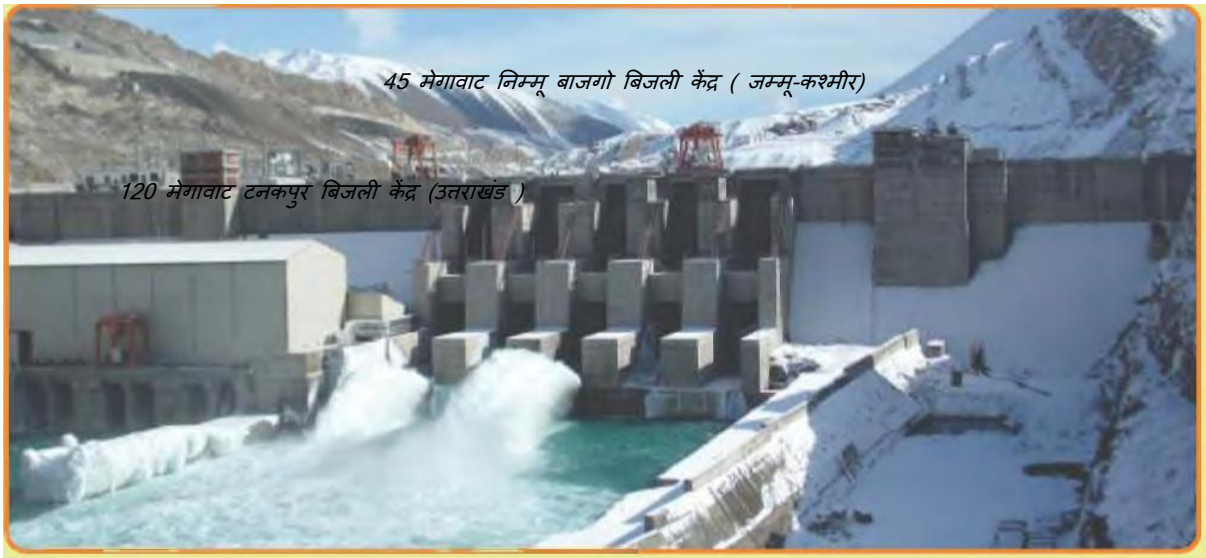

45 MW Nimoo Bazgo Power Station (Jammu & Kashmir)

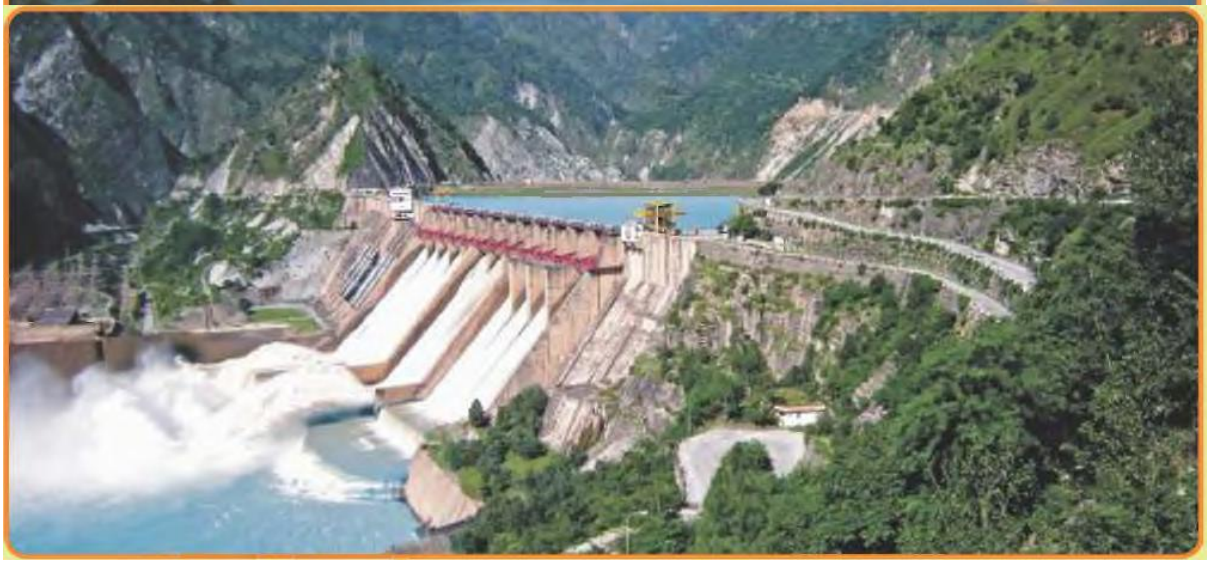

690 मेगावाट सलल बिजली केंद्र (जम्मू-कश्मीर)

संदेश

कॉरपोरेट- सामाजिक दायित्व के दायरे में सिर्फ यह नहीं आता कि कंपनियां अपने लाभ से क्या करती हैं बल्कि यह भी वे कैसे इसे अर्जित करती हैं। कॉरपोरेट- सामाजिक दायित्व जनहित कार्यों और निर्देशों के अनुपालन से भी परे जाकर यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी किस तरह अपने आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों तथा अपने सभी प्रभाव क्षेत्र - कार्यस्थल, बाजार, आपूर्ति श्रृंखला, सामुदायिक और सार्वजनिक नीति के साथ अपने संबंधों का प्रबंधन करती है। आज जरूरी है कि प्रत्येक व्यवसाय का संचालन, अलग अलग अपेक्षा रखने वाले विभिन्न हितधारकों के साथ तालमेल से किया जाये।

कॉरपोरेट- सामाजिक दायित्व- सीएसआर, एनएचपीसी की व्यवसाय रणनीति का अभिन्न अंग है। कंपनी की सभी प्रक्रियाओं और गतिविधियों में सीएसआर नीति लागू किये जाने की अपेक्षा को देखते हुए शीर्ष प्रबंधन की सक्रिय भागीदारी सहित सभी कर्मचारियों का सामूहिक और एकजुट प्रयास अनिवार्य हो जाता है। एनएचपीसी का शीर्ष प्रबंधन संगठन में सीएसआर एजेंडा लागू करने के लिये प्रतिबद्ध है।

आपको यह बताते हुए हमें गर्व है कि एनएचपीसी का प्रत्येक कर्मचारी शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समाज के प्रति अपना दायित्व पूरा करने के लिये वचनबद्ध है। मैं सीएसआर और एसडी प्रभाग को वित्तीय वर्ष 2015-16 की वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट के सफलतापूर्वक दस्तावेजीकरण पर बधाई देता हूं। देश के दूरदराज के क्षेत्रों में एनएचपीसी की परियोजनाओं/बिजली केंद्रों / इकाईयों द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत किये गये विभिन्न कार्यक्रमों का क्रमबद्ध कैलाइडोस्कोप देखना सुखद है।

वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ पलटते हुए और एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियों को देखते हुए यह स्पष्ट समझा जा सकता है कि एनएचपीसी के विभिन्न केंद्र अपने आसपास के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को कितनी अच्छी तरह पूरा कर रहे हैं। इन केंद्रों ने अपने संचालन क्षेत्र के आस पास के लोगों के जीवन में कितना स्पष्ट बदलाव ला दिया है। हमारे प्रतिष्ठानों के निकट आर्थिक गतिविधियां भी तेज हुई हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि एनएचपीसी देश में सतत विकास को गति देने में उदारतापूर्वक कार्य करता रहेगा।

(के.एम.सिंह)

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

संदेश

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व, लाभों को अधिकतम करने की, व्यवसाय की पारंपरिक भूमिका से परे जाकर, समाज के प्रति उसकी भूमिका पर बल देता है। एक कंपनी बड़े ही उत्तरदायी ढंग से समाज में विभिन्न भूमिका निभा सकती है।

एनएचपीसी, सीएसआर के माध्यम से, अपने संचालन और गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वालों सहित प्रमुख हितधारकों के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय सरोकारों का समाधान कर रहा है। एनएचपीसी ने अपनी परियोजनाओं/बिजली केंद्रों / इकाईयों के आसपास रह रहे लोगों के लिये स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कौशल विकास, पर्यावरणीय संरक्षा, महिला सशक्तीकरण. तथा खेलकूद, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये, सीएसआर के तहत कई पहल की हैं।

एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियां, अपने संचालन क्षेत्र में रह रहे समुदायों के समावेशी विकास के लिये एनएचपीसी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एनएचपीसी द्वारा अपने बिजली केंद्रों/परियोजनाओं/इकाईयों के माध्यम से विभिन्न कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों के लिए 72.68 करोड़ रुपए की राशि व्यय की गई।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि सीएसआर और एसडी प्रभाग वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों पर वार्षिक रिपोर्ट जारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य एनएचपीसी के बिजली केंद्रों/परियोजनाओं/इकाईयों द्वारा की गई कंपनी सामाजिक दायित्व को उजागर करना है।

मैं सीएसआर गतिविधियों में शामिल सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करता हूं और लगन और निष्ठा से उत्तम कार्यों को जारी रखने की कामना करता हूं।

(जयंत कुमार)

निदेशक (वित्त)

संदेश

कंपनी अधिनियम 2013 में सीएसआर व्यय अनिवार्य बनाए जाने से पहले से ही एनएचपीसी कंपनी सामाजिक दायित्व गतिविधियों में सक्रियता से शामिल रहा है। अधिनियम के सीएसआर प्रावधानों ने कंपनियों को रणनीतिक ढंग से सीएसआर गतिविधियां लागू करने के लिए सक्रिय किया है ताकि इस कार्यक्रम के लक्ष्य अधिकतम किए जा सके। अनिवार्य सीएसआर गतिविधियों को वर्तमान स्वरूप में अपनाना हमारे लिए एक सुखद और सुचारू बदलाव है।

व्यवसाय और सामाजिक प्रतिबद्धताएं परस्पर एक दूसरे को सवल बनाती हैं और एक के बिना दूसरे का जारी रहना संभव नहीं है। निगमों को समाज के सुविधा वंचित वर्गों के लिए सहयोग सृजित करना होगा ताकि वे सम्मान और गरिमा के साथ जीवन यापन करने में समर्थ हो सकें।

हमारी परंपराओं और सीएसआर के अनुपालन के अनुसार हमने समावेशी कार्यक्रम शुरू किए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समाज के निर्धन/पिछड़े और जरूरतमंद वर्गों तक अधिकतम लाभ पहुंच सके। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सीएसआर और एसडी गतिविधियों पर 72.68 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है, जो अनिवार्य प्रावधानों से कहीं अधिक है। यह उल्लेख किया जाना भी आवश्यक होगा कि स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत एनएचपीसी ने अपने कर्मचारियों के अथक प्रयासों से देश के आठ राज्यों के 34 जिलों में सरकारी विद्यालयों में 7045 शौचालयों का निर्माण किया है।

मुझे अत्यंत हर्ष है कि एनएचीपीसी के बिजली केंद्रों/परियोजनाओं/इकाईयों द्वारा कंपनी सामाजिक दायित्व गतिविधियों का ब्योरा देते हुए वित्तीय वर्ष 2015-16 की सीएसआर वार्षिक रिपोर्ट, सीएसआर और एसडी प्रभाग द्वारा जारी की जा रही है।

बलराज जोशी

निदेशक (तकनीकी)

संदेश

कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्व एनएचपीसी के व्यवसाय दर्शन का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। एनएचपीसी अपनी संचालन गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वाले लोगों सहित प्रमुख हितधारकों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान कर सीएसआर क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एनएचपीसी ने अपनी बिजली केंद्रों/परियोजनाओं/इकाईयों में और इसके आसपास रह रहे समुदायों के लिए अनेक सीएसआर पहल की है।

एनएचपीसी लिमिटेड के सीएसआर और एसडी प्रभाग को वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए वार्षिक सीएसआर और एसडी रिपोर्ट जारी करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2015-15 के दौरान एनएचपीसी द्वारा शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य देखभाल, ग्रामीण विकास, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में की गई सभी सीएसआर और एसडी गतिविधियों का ब्यौरा है।

मैं सीएसआर और एसडी प्रयासों के क्रियान्वयन में सहयोग और मार्गदर्शन के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री के.एम. सिंह तथा सीएसआर और सतत विकास की निदेशक समिति के सदस्यों- श्री अरूण कुमार-प्रमुख, सीएसआर और एसडी निदेशक समिति, श्री जयंत कुमार और श्री बलराज जोशी, निदेशक (तकनीकी) का आभार व्यक्त करता हूं।

विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हमारे सभी कर्मचारियों की निष्ठापूर्ण भागीदारी के कारण ही एचएचपीसी हमारे स्थानीय केंद्रों के आसपास रह रहे समुदायों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान कर सका है।

मैं, सभी बिजली केंद्रों, परियोजनाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों और इकाईयों के प्रमुखों के नेतृत्व के प्रति भी आभारी हूं, जिनके सहयोग से एनएचपीसी ने सीएसआर और एसडी लक्ष्यों को हासिल करने में सफलता पाई है। अंत में, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण संदर्भ में, मैं उत्कृष्ट ढंग से वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए सीएसआर और एसडी प्रभाग, कॉरपोरेट संपर्क प्रभाग के कठिन परिश्रम की हृदय से सराहना करता हूं।

ए.के. मिश्रा

कार्यपालक निदेशक (सीएसआर और एसडी)

विषय-वस्तु

1. परिचय
2. एनएचपीसी लिमिटेड में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व
3. एनएचपीसी की सीएसआर पहल की पहुंच का दायरा
4. खंड-I

   बजट आवंटन और व्यय
5. खंड-II

   पूर्व वर्षों के दौरान सीएसआर और निरंतरता पर आवंटन बनाम व्यय
6. खंड-III

   वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सीएसआर और निरंतरता पर क्षेत्रवार व्यय
7. खंड-IV

   वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एनएचपीसी द्वारा प्रमुख सीएसआर पहल
8. खंड-V

   सीएसआर और एसडी गतिविधियों का प्रोजेक्ट वार ब्योरा

यात्रा का आरंभ

परिचय

कंपनी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) एक ऐसी अवधारणा है जो व्यापक रूप से समझने में सहल है लेकिन संक्षेप में इसके अर्थ की तह तक पहुंचना कठिन है। इतिहास ने हमेशा उन लोगों और कंपनियों पर सवाल उठाए हैं जिनका नियंत्रण पूंजी और संसाधनों पर रहा है। वित्तीय या व्यवसायिक गतिविधि में शामिल लोग विभिन्न माध्यमों से समाज और रहने वाले लोगों को प्रभावित कर सकते हैं, उनके जीवन पर असर डाल सकते हैं। यह हमेशा अपेक्षा की जाती है कि निर्णय लेने की स्थिति में रहने वाला व्यक्ति उत्तरदायी, विवेक सम्मत और नैतिक जिम्मेदारी से काम करेगा।

सीएसआर का यह विषय तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब हम ऐसे कॉरपोरेट संगठनों से संबंधित होते हैं जिनका टर्नओवर अनेक देशों के जीडीपी से भी अधिक है। हमारे समक्ष ऐसे कॉरपोरेट हैं जो अत्यंत संवेदनशील मुद्दों से जुड़े हैं, चाहे यह जीवन रक्षक औषधि हो या उड्डयन या बिजली या बुनियादी ढांचा क्षेत्र। कंपनियों का प्रभाव अनेक माध्यम से सभी लोगों के जीवन पर लगातार पड़ता है। ये कंपनियां देश के लगभग सभी प्रकार के संसाधनों, मानव संसाधनों (बौद्धिक और शारीरिक), प्राकृतिक संसाधन, वित्त और पूंजीगत संसाधन, मानव निर्मित संसाधनों का प्रबंधन करती हैं।

ऐसी पृष्ठभूमि में, चाहे हम सीएसआर को समझते हों या नहीं, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे संगठन जो राष्ट्र के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं और 'अधिकतम सामाजिक लाभ' अर्जित कर रहे हैं, वे अपने साथ-साथ सभी हितधारकों की समृद्धि के लिए योगदान करे। यह भी सुनिश्चित करें कि उनके कार्य से हितधारकों, राष्ट्र और भावी पीढियों को किसी प्रकार के लघु अवधि या दीर्घावधि की हानि न हो, इसलिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कंपनी की दिनचर्या में या अनुपालन में केवल एक औपचारिक कार्य न होकर बहुआयामी कार्य है।

सीएसआर के प्रति सामान्य समझ में नैतिक, जबावदेह और अनुपालन अनुरूप आचरण आता है। हालांकि, आमतौर पर सीएसआर का अर्थ किसी कंपनी के परोपकारी कार्यों और सामाजिक/धर्मार्थ कार्यों में योगदान से लगाया जाता है। कंपनी के परोपकारी कार्यों की सराहना की जा सकती है, लेकिन इसके आधार पर किसी कंपनी को सतत और पर्यावरण/हितधारक अनुकूल नहीं माना जा सकता।

भारत ऐसा एक मात्र देश है जिसने सीएसआर योगदान को वैधानिक रूप दिया है। हालांकि सीएसआर के लिए वैधानिक योगदान की वजह से किसी कंपनी को उत्तरदायी और जिम्मेदार संगठन नहीं माना जा सकता।

एनएचपीसी की सीएसआर नीति

एनएचपीसी की सीएसआर और निरंतरता नीति, एनएचपीसी बोर्ड के अनुमोदन के साथ दिसंबर 2013 में जारी की गई थी। इसमें बाद में संशोधन किया गया और कंपनी अधिनियम 2013 के अनुरूप 7 जुलाई 2014 को एनएचपीसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार वाया अधिसूचना फाइल संख्या- 1/15/2013-सीएल.वी दिनांक 27.02.2014 द्वारा जारी कंपनी (सीएसआर नीति) विनियम 2014 के अंतर्गत कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्वों के लिए विशेष प्रावधान हैं। इसके बाद उपधारा 4.4 संशोधित की गई और 29 जुलाई 2015 को एनएचपीसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गई।

एनएचपीसी सीएसआर नीति की मुख्य विशेषताएं:

- कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के उपखंड (5) के अंतर्गत एक राशि निर्दिष्ट की गई है, जो मौजूदा समय में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के औसत निबल लाभ के कम से कम दो प्रतिशत है, इसे सीएसआर कार्यों के वार्षिक बजट के रूप में रखा गया है और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- एचएचपीसी परियोजनाओं के आसपास के स्थानीय क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए बजट राशि का 80 प्रतिशत इनके लिए रखा गया है। हालांकि जरूरत के आधार पर और राष्ट्रीय योजनाओं और अभियानों के बारे में भारत सरकार के निर्देश के अनुरूप बड़े पैमाने पर समाज/पर्यावरण लाभ के लिए अन्य स्थानों का भी चुनाव किया जा सकता है।
- सीएसआर गतिविधियों में कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची **-VII** के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, सतत पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं।
- सीएसआर और सतत विकास योजनाओं का चुनाव समाज के निर्धन/पिछड़े और जरूरतमंद वर्गों के लिए अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के आधार पर किया जाता है।
- एनएचपीसी सामाजिक आर्थिक लाभ और पर्यावरणीय प्रभाव को अधिकतम करने के उद्देश्य से आयोजना, क्रियान्वयन और संसाधनों के आदर्श उपयोग के लिए बड़ी परियोजनाओं की निगरानी, विशेषज्ञता और क्षमताओं के तालमेल में अन्य सीपीएसई के साथ मिलकर काम करने के लिए हमेशा तत्पर है।

एनएचपीसी में सीएसआर और सतत विकास गतिविधियों का क्रियान्वयन और निगरानी

त्रि-स्तरीय सीएसआर संरचना

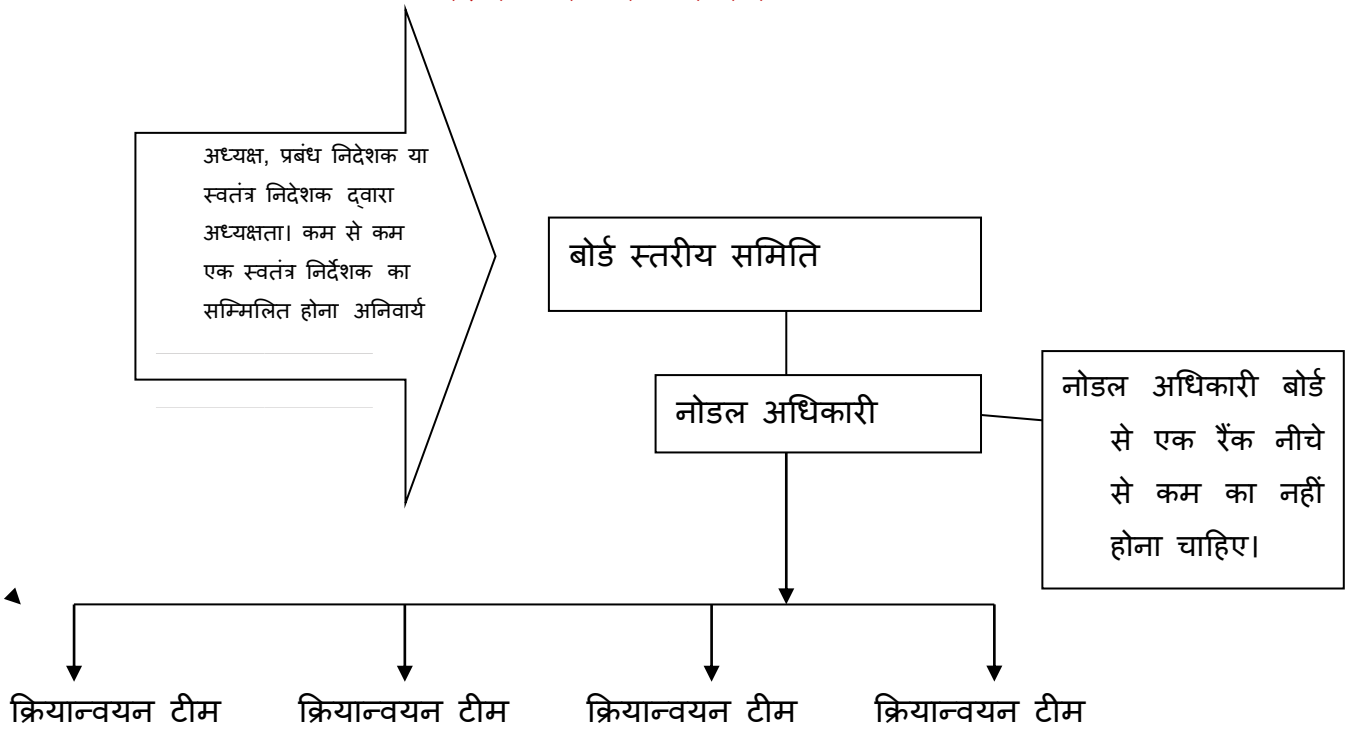

एनएचपीसी लिमिटेड का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

एनएचपीसी लिमिटेड मिनी रत्न श्रेणी-**I** की कंपनी है। यह पारंपरिक और गैर पारंपरिक स्रोतो के माध्यम से एकीकृत और सक्षम बिजली विकास की आयोजना, संवर्द्धन और व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। एनएचपीसी उच्च स्तर की संगठनात्मक निष्ठा और नीतिगत आचरण बनाए रखते हुए समाज के प्रति उत्तरदायी तरीके से व्यवसाय संचालित कर रहा है। साथ ही अपनी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में प्रदर्शन संबंधी पारदर्शिता के अपेक्षित स्तर के अनुरूप सर्वोत्तम प्रबंधन और प्रभावी संचालन नीतियों का अनुपालन कर रहा है ताकि सभी हितधारकों का भरोसा और विश्वास हासिल किया जा सके। एनएचपीसी अपने सभी हितधारकों और अपने संचालन से प्रभावित लोगों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान करते हुए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एनएचपीसी की सीएसआर नीति कंपनी अधिनियम 2013 तथा डीपीई की 01.04.2014 से प्रभावी सीएसआर दिशा-निर्देश के मजबूत प्रावधानों पर आधारित है। एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियां कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची-**VII** में निर्दिष्ट गतिविधियों के अनुरूप है। निगम की सीएसआर नीति सतत विकास में योगदान के माध्यम से अपने हितधारकों की आकांक्षाएं पूरी करने की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

एनएचपीसी ने अपनी परियोजनाओं/बिजली केंद्रों/इकाईयों के आसपास रह रहे समुदायों के लिए अनेक सीएसआर गतिविधियां लागू की है। ये गतिविधियां स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कौशल विकास, सतत पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, खेल-कूद, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने से संबंधित हैं।

एनएचपीसी की सीएसआर पहल की पहुंच का दायरा

शिक्षा : माता-पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने, स्कूली शिक्षा पर उनका वित्तीय बोझ कम करने और अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा पूरी करने के प्रयासों में सहयोग देने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों को एनएचपीसी की स्कॉलरशिप दी जा रही है। इसके अलावा विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने और उनकी शैक्षणिक प्रतिभा के संपोषण के लिए उच्च शिक्षा जारी रखने के उद्देश्य से भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। एनएचपीसी अपने आसपास के स्कूलों को बुनियादी ढांचा सुविधाएं, आधुनिकतम प्रशिक्षण सहयोग और कंप्यूटर शिक्षा में सहयोग देकर मदद कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण और उच्च तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनएचपीसी ने दो इंजीनियरिंग कॉलेज- पहला दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में और दूसरा बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में तथा कंगन (जम्मू-कश्मीर) में पन-बिजली प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना में सहयोग देने की योजना बनाई है।

कौशल विकास : एनएचपीसी अपने परियोजनाओं/बिजली केंद्रों के आसपास के बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन कर समाज के सभी वर्गों के लिए रोजगार की व्यवस्था में भी सहयोग कर रहा है। महिलाओं को भी कौशल विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मदद की जा रही है, ताकि वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकें बल्कि अपने परिवार की भी आर्थिक रूप से मदद कर सकें। इसके अलावा एनएचपीसी द्वारा अपने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पाठ्यक्रम की रूप-रेखा, फैकल्टी विकास, प्रशिक्षण और बुनिदायी ढांचा विकास तथा मौजूदा भवन और प्रयोगशालाओं में सुधार के लिए सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है।

स्वास्थ्य देखभाल : सीएसआर गतिविधियों के तहत समुदाय के उत्तम स्वास्थ्य की प्राथमिकता भी एनएचपीसी की प्रतिबद्धताओं में शामिल है। एनएचपीसी की परियोजनाओं और बिजली केंद्रों के आसपास रह रहे आम लोगों के लिए बड़ी संख्या में टीकाकरण कार्यक्रम, हृदयरोग और मधुमेह जांच शिविर, आंखों की देखभाल के बारे में शिविरों का आयोजन भी किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल सेवा उपलब्ध कराने के लिए मोबाईल चिकित्सा इकाईयों की तैनाती भी की जा रही है।

ग्रामीण विकास : एनएचपीसी अपने संचालन क्षेत्र के आसपास महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है। इसने अपनी परियोजनाओं /बिजली केंद्रों/इकाईयों के आसपास रहने वाले आम लोगों के लिए सड़कों के निर्माण, सामुदायिक भवन के निर्माण और मरम्मत, नाले, आश्रय स्थल और प्रतीक्षा शेड, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना, पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने, पेयजल आपूर्ति लाइन का व्यवस्था, विभिन्न स्थलों पर सामुदायिक आरओ संयंत्र और स्वच्छता परिसर उपलब्ध कराने, सिंचाई के लिए कुल प्रणाली की व्यवस्था जैसी कई पहल की है।

स्वच्छता : एनएचपीसी ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत आठ राज्यों के सरकारी स्कूलों में 7045 शौचालयों का निर्माण किया है। यह केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रमुख कार्यक्रमों को भी लागू कर रहा है।

पर्यावरण : पर्यावरण क्षेत्र में भी एनएचपीसी का योगदान महत्वपूर्ण है। पर्यावरण सुधार के विभिन्न कार्यक्रम एनएचपीसी परियोजनाओं और बिजली केंद्रों के आसपास के क्षेत्र में लागू किए गए हैं। एनएचपीसी ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए भी विशेष कार्य किया है। जैव विविधता पार्क का विकास इसमें प्रमुख हैं। अन्य प्रयासों में कृषि विभाग को मृदा जांच वैन उपलब्ध कराना, कागज पुन:चक्रण यूनिट, सर्वोत्तम बागवानी/कृषि अभ्यासों का प्रशिक्षण, वर्षा जल संरक्षण, औषधीय पौधों और जड़ी-बूटी

पार्क की स्थापना शामिल हैं।

महिला सशक्तिकरण : एनएचपीसी की अनेक परियोजनाओं/बिजली केंद्रों में लड़कियों और महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम लागू किए गए हैं। महिलाओं के स्वरोजगार के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण सहयोग भी उपलब्ध कराया गया है।

अन्य गतिविधियां

एनएचपीसी ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को भी बढ़ावा दे रहा है। एनएचपीसी के कर्मचारियों ने समय-समय पर प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों के राहत और पुनर्वास कार्यों में भी योगदान किया है।

पुरस्कार और सम्मान : एनएचपीसी लिमिटेड को अपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है। उसे शिक्षा में सर्वोत्तम सीएसआर सहयोग के लिए पहला पंडित मदन मोहन मालवीय कांस्य पुरस्कार, सीएसआर के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल के लिए आईपीई कॉरपोरेट सुशासन पुरस्कार, सामाजित दायित्व श्रेणी में सीआईडीएस विश्वकर्मा पुरस्कार, उत्कृष्ट सीएसआर कार्यों के लिए इंडिया पावर अवार्ड, सर्वोत्तम कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए एमिटी पुरस्कार, सीएसआर और तत्काल सहयोग के लिए आगे बढ़ने पर स्कोप प्रतिभा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। 02.11.2015 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में माननीय बिजली, कोयला तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा और खनन मंत्री पीयूष गोयल द्वारा स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण लक्ष्य हासिल करने पर एनएचपीसी को सम्मानित किया।

खंड-1

बजट आवंटन और व्यय

क्रम संख्या	पावर स्टेशन/परियोजना/इकाई	निधि आवंटन (लाख रुपए में)	व्यय (लाख रुपए में)
1	सलल	307.25	301.49
2	सेवा-II	13.50	12.24
3	दुलहस्ती	108.50	106.61
4	उरी-I	198.00	176.55
5	उरी-II	160.93	133.18
6	किशनगंगा	64.44	14.66
7	चुटक	44.91	44.41
8	निम्मो-बाजगो	56.05	48.38
9	बैरा-सिउल	10.80	8.59
10	चमेरा-I	17.93	10.79
11	चमेरा-II	8.86	8.58
12	चमेरा-III	10.01	9.84
13	लोकतक	52.20	40.31
14	पार्बती-II	27.93	26.10
15	पार्बती-III	10.40	6.16
16	कोटली भेल	24.08	17.98
17	धौलीगंगा	427.89	389.63
18	टनकपुर	484.15	284.42
19	आरओ-सिलिगुड़ी	527.95	488.83
20	रंगित	12.00	9.95

21	तीस्ता-**V**	59.00	34.04
22	टीएलडीपी-**III**	188.08	109.06
23	टीएलडीपी-**IV**	275.17	201.24
24	तीस्ता-**IV**	12.10	2.90
25	सुबनसिरी लोअर	6384.65	4707.90
26	दिबांग	66.45	26.80
27	तवांग-**I**	12.50	12.50
28	तवांग-**II**	29.10	24.40
कॉरपोरेट कार्यालय			
29	कॉरपोरेट कार्यालय द्वारा सीएसआर गतिविधियां	41.05	10.00
	कुल	**9635.88**	**7267.55**

- 96.36 करोड़ रुपए की कुल उपलब्ध निधि में वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए बजट आवंटन (64.92 करोड़ यानि @ पिछले तीन वर्ष के औसत लाभ का 3 प्रतिशत), पिछले वर्षों की अप्रयुक्त सीएसआर निधि (13.33 करोड़) और बोर्ड द्वारा अनुमोदित अतिरिक्त राशि 18.11 करोड़ (43.28 करोड़ @ पिछले दो वर्ष के औसत लाभ का 2 प्रतिशत - 25.17 करोड़ रुपए अनावंटित रह गए जिसे एनएचपीसी के मुख्य खाते में लौटा दिया गया)।
- शेष अप्रयुक्त राशि 23.68 करोड़ रुपए (96.36 करोड़ रुपए-72.68 करोड़ रुपए) जारी गतिविधियों को पूरा करने के लिए अगले वित्तीय वर्ष (2016-17) में स्थानांतरित कर दी गई।

यात्रा जारी....

NHPC
FREE CARDIAC/DIABETIC CAMP
UNDER CSR-SD PROGRAMME FOR THE FY
ORGANISED

NHPC
NHPC Limited
"IMMUNIZATION CAMP"

खंड-II

पूर्व वर्षों के दौरान सीएसआर और निरंतरता गतिविधियों पर आवंटन बनाम व्यय

राशि लाख रुपए में

वित्तीय वर्ष	आवंटन (अनिवार्य)	व्यय
2009-10	208.00	188.93
2010-11	**1045.00**	440.00
2011-12	1100.00	581.56
2012-13	3117.00	1659.72
2013-14	2400.00	3187.98
2014-15	4764.00	5323.94
2015-16	4328.00	7267.55

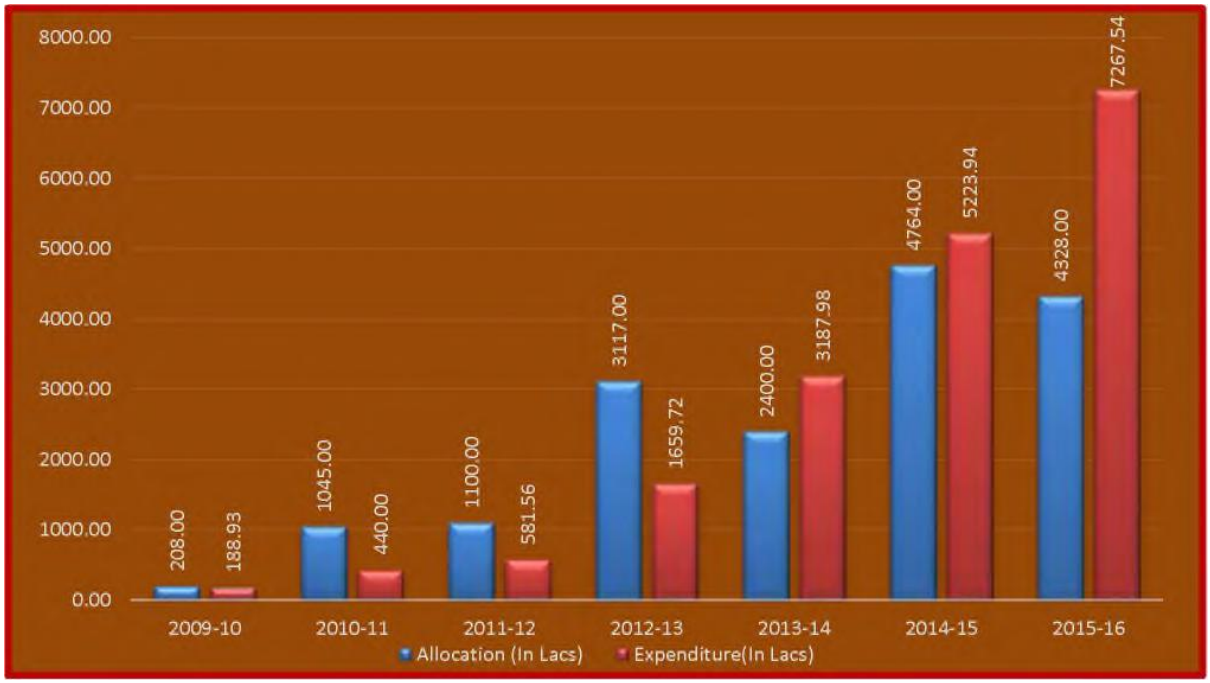

पूर्व वर्षों के दौरान सीएसआर पर आवंटन और व्यय दर्शाता ग्राफ

अगला कदम....

खंड-III

सीएसआर और निरंतरता पर क्षेत्रवार व्यय

वित्तीय वर्ष-2015-16

राशि लाख रुपए में

शिक्षा और कौशल विकास	स्वास्थ्य और स्वच्छता	ग्रामीण विकास	सीएसआर क्षमता निर्माण और अन्य गतिविधियां	स्वच्छ विद्यालय अभियान	महिला सशक्तिकरण और वरिष्ठ नागरिक	पर्यावरण और सतत विकास	खेल	कला और संस्कृति
469.05	507.42	253.20	2.71	5945.19	1.49	57.00	6.54	24.95

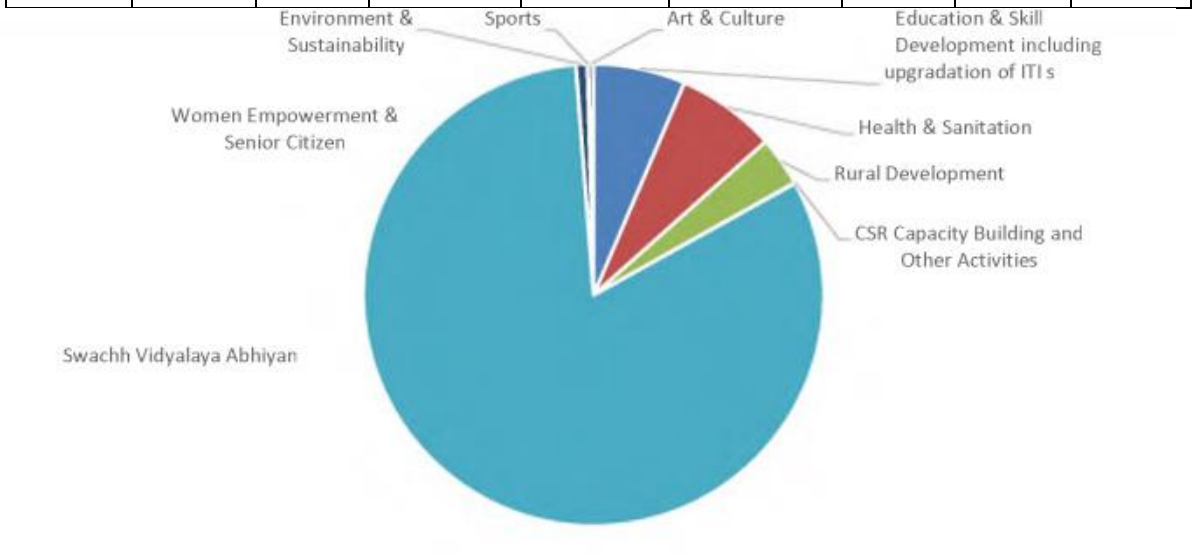

- आईटीआई के उन्नयन सहित शिक्षा और कौशल विकास
- ग्रामीण विकास
- स्वच्छ भारत अभियान
- स्वच्छ विदायलय अभियान
- पर्यावरण और निरंतरता
- कला और संस्कृति
- स्वास्थ्य और स्वच्छता
- सीएसआर क्षमता निर्माण और अन्य गतिविधियां
- महिला सशक्तिकरण और वरिष्ठ नागरिक
- खेल

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान क्षेत्रवार व्यय ग्राफ

Distribution of Sewing Machine during training on cutting and tailoring - organised by Chamera-III, Power Station

Participants of training on cutting and tailoring - organised by Chamera-III, Power Station

चमेरा-III बिजली केंद्र द्वारा आयोजित कटाई और सिलाई प्रशिक्षण के दौरान सिलाई मशीन का वितरण।

चमेरा-III बिजली केंद्र द्वारा आयोजित कटाई और सिलाई प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागी।

खंड-IV

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एनएचपीसी की प्रमुख सीएसआर पहल

स्वच्छ विद्यालय अभियान

15.08.2014 को माननीय प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में किए गए आह्वान के प्रतिउत्तर में पनबिजली क्षेत्र के प्रमुख संगठन एनएचपीसी लिमिटेड ने, बिजली मंत्रालय के तत्वावधान में स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत अपनी परियोजनाओं/बिजली केंद्रों/इकाईयों के आसपास के सरकारी विद्यालयों में शौचालयों के निर्माण का बीड़ा उठाया। एनएचपीसी ने स्कूलों में 6802 शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा। इस लक्ष्य के जवाब में एनएचपीसी ने 7045 शौचालयों का निर्माण किया। आठ राज्यों के 34 जिलों में सरकारी विद्यालयों में शौचालय बनाए गए। ये राज्य हैं- अरूणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल।

सरकारी विद्यालयों में शौचालय निर्माण के लिए एनएचपीसी को सौंपा गया लक्ष्य => 6802

स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत निर्मित शौचालयों का विवरण

क्रम संख्या	राज्य का नाम	परियोजना/बिजली केंद्र/इकाई का नाम	निर्मित शौचालयों की संख्या
1.	अरूणाचल प्रदेश	तवांग परियोजना	7
		दिबांग बहुउद्देश्यी परियोजना	12
		सुबनसिरी लोअर परियोजना	304
		कुल	323
2.	असम	सुबनसिरी लोअर परियोजना	2824

		कुल	**2824**
3.	हिमाचल प्रदेश	चमेरा-II बिजली केंद्र	3
		पार्बती-II परियोजना	5
		कुल	**8**
4.	जम्मू-कश्मीर	सलल बिजली केंद्र	153
		निम्मो-बाजगो बिजली केंद्र	4
		दुलहस्ती बिजली केंद्र	72
		उरी-I बिजली केंद्र	185
		उरी-II बिजली केंद्र	59
		चुटक बिजली केंद्र	4
		कुल	**477**
5.	मध्य प्रदेश	एनएचडीसी लिमिटेड	1425
		कुल	**1425**
6.	मणिपुर	लोकतक बिजली केंद्र	35
		कुल	**35**
7.	उत्तराखंड	टनकपुर बिजली केंद्र	298
		धौलीगंगा बिजली केंद्र	471
		कुल	**769**
8.	पश्चिम बंगाल	क्षेत्रीय कार्यालय सिलिगुड़ी	848
		तीस्ता निचली बांध परियोजना चरण-IV	172
		तीस्ता निचली बांध III बिजली केंद्र	164
		कुल	**1184**
		समग्र कुल	**7045**

Toilet Constructed under "Swachh Vidyalaya Abhiyan" by Subansiri Lower Project

Toilet Constructed under "Swachh Vidyalaya Abhiyan" by Subansiri Lower Project

सुबनसिरी लोअर परियोजना द्वारा स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत निर्मित शौचालय।

सुबनसिरी लोअर परियोजना द्वारा स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत निर्मित शौचालय।

'स्पंदन'

एनएचपीसी ने अपनी सीएसआर-एसडी योजना के अंतर्गत अपने हितधारकों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं।

एनएचपीसी लिमिटेड की इकाई सुबनसिरी लोअर परियोजना ने 25.02.2016 को मोबाईल स्वास्थ्य देखभाल सेवा 'स्पंदन' का शुभारंभ किया। इस नई सीएसआर पहल का उद्देश्य असम के पांच जिलों- धेमाजी, लखीमपुर, सोनितपुर, बिस्वनाथ चारली और माजुली के लिए 20 मोबाईल चिकित्सा इकाईयों के माध्यम से सभी आयुवर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना है। ये मोबाईल चिकित्सा इकाईयां इन जिलों के दूर-दराज के इलाकों तक जाएंगी और लक्षित लाभार्थियों की स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करेंगी।

'स्पंदन' परियोजना समुदाय की आरोग्य सेवाओं में वृद्धि के लिए शुरू की गई है। इसका लक्ष्य समन्वित स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। स्पंदन के अंतर्गत प्रत्येक मोबाईल चिकित्सा यूनिट में एक डॉक्टर, एक नर्स और सहयोगी अर्धचिकित्सा कर्मी होते हैं, जो मातृ और शिशु देखभाल, स्कूल जाने वाले बच्चों और वरिष्ठ लोगों के सामान्य रोगों में आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराते हैं। प्रत्येक मोबाईल इकाई द्वारा समय-समय पर चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि प्रत्येक व्यक्ति तक बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। ये मोबाईल इकाईयां सामान्य रोगों के उपचार और निदान के अलावा स्थानीय रोगों की प्रकृति, मातृ और शिशु स्वास्थ्य, वृद्धावस्था संबंधी रोग, लत और अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं पर भी ध्यान केंद्रित करेंगी। मोबाईल वैन में सामान्य जेनेरिक दवाईयां, नैदानिक उपकरण, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री उपलब्ध रहती है।

LAUNCHING CEREMONY
OF
SPANDAN
MOBILE HEALTH CARE SERVICE
A CSR INITIATIVE OF NHPC
IMPLEMENTING PARTNER : PIRAMAL SWASTHYA
DATE : 25TH FEBRUARY, 2016
VENUE : SUBANSIRI LOWER PROJECT, GERUKAMUKH
SPANDAN

SPANDAN
NHPC
SPANDAN

'कलश'

'कलश'- इस योजना के अंतर्गत धेमाजी, लखीमपुर जिले और माजुली जिले के विभिन्न स्थानों पर पीने के साफ पानी की सुविधा के लिए सर्वेक्षण और निर्माण कार्य के लिए स्थानीय निकायों और प्रबंधन समितियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के तहत पारंपरिक बालू फिल्टर टैंक की स्थापना के लिए आरसीसी प्लेटफॉर्म बनाया जाना और पांच सौ लीटर फिल्टर पानी के भंडारण की व्यवस्था शामिल है। नियमित जलापूर्ति सुविधा के अभाव में पानी की जरूरत की पूर्ति के लिए बोरवेल उपलब्ध कराए जाएंगे।

सीएसआर और एसडी गतिविधियों का परियोजना वार ब्योरा

क्षेत्र-जम्मू

सलाल पावर स्टेशन, जिला रियासी (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालय का निर्माण	252.72
शिक्षा	राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, तहसील और जिला रियासी में कक्षा सह परीक्षा हॉल का निर्माण।	**13.72**
	राजकीय उच्च विद्यालय, ग्राम कांबलडांगा, तहसील और जिला रियासी में पहली मंजिल पर, निचले तल और पहली मंजिल पर बरामदे की सुविधा सहित कक्षा सह परीक्षा हॉल का निर्माण।	13.20
	ग्राम ब्राओट्रेन मारी, विजयपुर और मिडिल स्कूल, अगहर बलियान में प्राथमिक विद्यालय की सुरक्षा और मरम्मत/नवीनीकरण कार्य।	8.77
ग्रामीण विकास	ग्राम डासनू, सीला और पनासा में पुल और जन सुविधा केंद्र मार्ग का निर्माण।	10.00
	ग्राम मारी में सामुदायिक भवन में परिसर की सुरक्षा और किचन शेड के निर्माण का अतिरिक्त कार्य।	0.62
खेलकूद	ग्रामीण खेलों को बढ़ावा	1.59
कला और संस्कृति	कटरा में बाबा अगहर जित्तो मेला और सम्मिलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन	0.87
	कुल	301.49

सेवा-II पावर स्टेशन, जिला कठुआ (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वास्थ्य देखभाल	बानी में सरकारी अस्पताल के लिए एक्सरे मशीन उपलब्ध कराना	4.44

शिक्षा	छात्रवृत्ति वितरण	4.48
ग्रामीण विकास	शौचालय और स्टेज का निर्माण	3.32
	कुल	12.24

दुलहस्ती पावर स्टेशन, जिला किश्तवार (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	98.00
शिक्षा	दृष्टिवाधित पुनर्वास विद्यालय की स्थापना से दृष्टिवाधित लोगों की शिक्षा और सशक्तिकरण	0.19
	आईटीआई का उन्नयन	1.46
स्वास्थ्य देखभाल	चिकित्सा शिविर और नेत्र जांच शिविर	6.96
	सीएसआर और एसडी गतिविधियों के तहत स्वच्छ भारत अभियान	
	कुल	106.61

उरी पावर स्टेशन, जिला बारामूला (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	176.55
	कुल	176.55

उरी-II पावर स्टेशन, जिला बारामूला (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	1**15.12**

अभियान		
ग्रामीण विकास	सलामाबाद में वर्षा आश्रय स्थल	1.53
	सदवानिया में फुटपाथ बनाना	1.32
	सलामाबाद कब्रिस्तान में संपर्क मार्ग का निर्माण	4.37
	डाची गांव में समानांतर नाले के साथ फुटपाथ का निर्माण	5.81
	सलामाबाद में फुटपाथ का निर्माण	1.64
	सदवानिया में कब्रिस्तान में बाड़ लगाना	3.40
	कुल	133.18

किशनगंगा परियोजना, जिला बांदीपोरा (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वास्थय देखभाल	गांव के लिए चिकित्सा शिविरों का संचालन	0.96
शिक्षा	आईटीआई बांदीपोरा में सीसीटीवी कैमरों की आपूर्ति और लगाया जाना	1.21
	आईटीआई के लिए कंप्यूटर वितरण	0.08
	श्रीनगर में आईटीआई विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण	0.30
	दर्माहामा मंत्री ग्राम, बांदीपोरा के राजकीय बाल मिडिल स्कूल में दीवार, जमीन पक्का किया जाना और नाले का निर्माण	2.12
ग्रामीण विकास	क्रालपोरा में कब्रिस्तान से मुख्य नाले तक संपर्क नाले का निर्माण	4.97
	वानपोरा गांव में कंक्रीट मार्ग का निर्माण	2.32
	किशनगंगा परियोजना के परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में कृषि और मधुमक्खी पालन विकास	2.69

	कुल	14.66

चुटक पावर स्टेशन, जिला करगिल (जम्मू-कश्मीर)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	14.57
स्वास्थ्य देखभाल	पीएचई करगिल द्वारा उच्च विद्यालय मिंजी में हैंडपंप लगाया जाना	2.96
	चुटक गांव के लिए टैंकर के जरिये पेयजल आपूर्ति	1.87
ग्रामीण विकास	मिंजी गांव में सामुदायिक केंद्र की मरम्मत और पुनरूद्धार	19.40
	सिंचाई की कुल प्रणाली का निर्माण	0.28
	चुटक बिजली केंद्र के 66 केवी ट्रांसमिशन की चार्जिंग के लिए पेड़ों की कटाई	1.41
महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक	सिलाई और बुनाई प्रशिक्षण तथा सिलाई मशीन वितरण	3.62
खेल	खेल आयोजन	0.30
	कुल	44.41

निम्मो-बाजगो पावर स्टेशन, जिला लेह-लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	18.62
स्वास्थ्य देखभाल	लेह और आसपास के गांवों में जलापूर्ति व्यवस्था संबंधी निर्माण/स्थापना और स्वच्छता	9.97
शिक्षा	राजकीय बाल और कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लेह में डिजिटल क्लाशरूम की स्थापना	0.80

ग्रामीण विकास	गांवों के लिए खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र की खरीद और स्थापना	18.99
	कुल	48.38

क्षेत्र बनीखेत

बैरा स्यूल पावर स्टेशन, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	'एनएचपीसी स्कॉलरशिप योजना' के तहत छात्रवृत्ति	1.99
	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/बालिका विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना	4.00
महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक	रोजगार सक्षमता बढाने के लिए ग्रामीण युवाओं/महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण	1.55
खेल	स्थानीय खेलों का आयोजन	1.04
	कुल	8.59

चमेरा-I पावर स्टेशन, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना	1.08
स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय लोगों के लिए चिकित्सा शिविर/औषधि	2.91
	परियोजना अस्पताल के माध्यम से स्थानीय लोगों को दवाईयां उपलब्ध कराना	3.32
ग्रामीण विकास	हरिजन बस्ती ग्राम कांडा, ग्राम पंचायत पुखड़ी में फुटपाथ का सुधार कार्य	1.55
	बथरी बाजार से ग्राम मटियाना, ग्राम पंचायत बथरी तक मार्ग निर्माण	1.93

	कुल	10.79

चमेरा-II पावर स्टेशन, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	0.31
शिक्षा	पांच विद्यालयों को प्रति विद्यालय दो-दो कंप्यूटर उपलब्ध कराकर छठी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देना	3.53
ग्रामीण विकास	श्मसान घाट में लकड़ी रखे जाने के लिए स्टोर का निर्माण	2.65
कला और संस्कृति	स्थानीय मेलों का आयोजन	0.51
खेल	स्थानीय खेलों का आयोजन	1.58
	कुल	8.58

चमेरा-III पावर स्टेशन, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	लिल्ह में सरकारी प्राथमिक विद्यालय भवन में छत पर स्लैव लगाना	1.86
	सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए कौशलो विकास कार्यक्रम/कोचिंग	1.75
ग्रामीण विकास	स्थानीय पंचायत की जरूरतों के आधार पर ग्रामीण विकास गतिविधियां जैसे पर्वतीय क्षेत्र में बाड़ लगाना, सरकारी स्कूल की फुटपाथ की मरम्मत, सरकारी विद्यालयों में कंक्रीट फर्श और प्राथमिक विद्यालय मेलाह के लिए रास्ते का निर्माण	4.96
कला और संस्कृति	स्थानीय मेलों का आयोजन	0.88
खेल	स्थानीय खेलों का आयोजन और बाल आश्रम मेल्हा के	0.40

	बच्चों को ट्रैकसूट वितरण	
	कुल	9.84

क्षेत्र : कोलकाता

लोकतक पावर स्टेशन, कोमकेईरप (मनीपुर) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	35.39
ग्रामीण विकास	न्यू कुंगपी नाओसेन में आरसीसी बॉक्स जैसी पुलिया का निर्माण	4.92
	कुल	40.31

क्षेत्र : चंडीगढ़

पार्बती-II परियोजना, जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	5.77
शिक्षा	एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्कॉलरशिप	1.68
	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/बालिका विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देना	2.94
	ग्राम राहा, ग्राम पंचायत नगवैन में सरकारी प्राथमिक विद्यालय का निर्माण	4.77
	विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.00

	स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.25
ग्रामीण विकास	कोटला गांव के अग्नि पीड़ितों के लिए राहत और पुनर्वास	5.73
पर्यावरण	कालेहाली में 15 सीएफएल स्ट्रीट लाइट लगाया जाना	2.96
	कुल	26.10

पार्बती-III परियोजना, जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	परियोजना क्षेत्र में आने वाले स्कूलों को कंप्यूटर वितरण	4.72
	एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्कॉलरशिप	1.44
	कुल	6.16

क्षेत्र : देहरादून

कोटली भेल परियोजना, I ए, जिला टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	आईटीआई रूद्रप्रयाग का उन्नयन	15.45
	आईटीआई पोखरा का उन्नयन	
	डिग्री कॉलेज देव प्रयाग में तीन कमरों का निर्माण	
	परियोजना प्रभावित गांवों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम,	

	कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण सहित शिक्षा	
स्वास्थ्य देखभाल	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	2.41
पर्यावरण	पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां	0.03
खेल	ग्रामीण खेलों को बढ़ावा	0.10
	कुल	17.98

धौलीगंगा पावर स्टेशन, जिला-पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण/मरम्मत	387.99
ग्रामीण विकास	ग्रामीण विकास गतिविधियां	1.46
पर्यावरण	पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां	0.12
क्षमता निर्माण	संगोष्ठी/कार्यशाला/क्षमता निर्माण से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन	0.06
	कुल	389.63

टनकपुर पावर स्टेशन, जिला-चम्पावत (उत्तराखंड) :-

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	283.99
खेल	स्थानीय खेल टूर्नामेंट/उत्तराखंड जिलास्तर क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए ट्रैकसूट वितरण	0.43
	कुल	284.42

क्षेत्र : सिलिगुड़ी

क्षेत्रीय कार्यालय सिलिगुड़ी

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	488.83
	कुल	488.83

रंगित पावर स्टेशन, रंगित नगर (दक्षिण सिक्किम)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वास्थ्य देखभाल	स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम और चिकित्सा नेत्र शिविर	3.98
	स्थानीय लोगों को परियोजना अस्पताल के माध्यम से स्वास्थ्य जांच और औषधि वितरण	3.99
शिक्षा	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/बालिकाओं और दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति	1.98
	कुल	9.95

तीस्ता-V पावर स्टेशन, बालूटार (पूर्वी सिक्किम)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	अमलय प्राथमिक विद्यालय, नामफिंगर जीपीयू, दक्षिण सिक्किम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा भवनों का निर्माण	17.71
	बर्मिओक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नामफिंग जीपीयू दक्षिण सिक्किम में जमीनी स्तर पर विकास औऱ बाड़ लगाने का काम	8.86
स्वास्थ्य देखभाल	जागरुकता कार्यक्रम और चिकित्सा शिविर	3.04
	जिला अस्पताल सिंगताम को अल्ट्रासाउंट मशीनों की आपूर्ति	4.43
	कुल	34.04

तीस्ता लो डैम, चरण-III पावर स्टेशन, जिला-दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	45.38
शिक्षा	मूंगपू सर्किल के तहत कस्तूरी एमएसके विद्यालय में स्कूल भवन	20.62
ग्रामीण विकास	ताशिडिंग, पोश्योर में सामुदायिक भवन का निर्माण	16.66
	नाजुक में सामुदायिक भवन और शौचालय का निर्माण	2.37
	मिनी गांव, पेशोक में लोअर सोरेंग बस्ती में सामुदायिक भवन का निर्माण	10.77
	27वें माइल पर व्यूप्वाइंट सह बस स्टैंड और शौचालय का निर्माण	7.78
	गेईल खोला में शौचालयों का निर्माण	3.18
कला और संस्कृति	स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों में सहयोग	2.31
	कुल	109.06

तीस्ता लो डैम परियोजना, चरण-IV जिला-दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	112.11
शिक्षा	एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्कॉलरशिप वितरण	0.48
	स्कॉलरशिप वितरण	8.50
	शांति बाजार में सुरुक मंदोदरी उच्च विद्यालय के भवन का निर्माण	6.70
	स्वयंसेवी शिक्षक और स्वयंसेवी सफाईकर्मियों के लिए स्कूलों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना	3.90

	स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम/परियोजना	4.80
स्वास्थ्य देखभाल	स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम और चिकित्सा शिविर	1.50
ग्रामीण विकास	कलीजहोरा प्राथमिक विद्यालय के पुराने भवन का पुनरूद्धार/उन्नयन	2.90
	बगराकोट चूना भट्टी बाजार से लीस नदी बांध तक सड़क और नाले का निर्माण	7.70
	सिटॉग गांव में सामुदायिक भवन का निर्माण	7.60
	जरयोतर गांव में सामुदायिक भवन का निर्माण	5.30
	सानूमाकोम में सामुदायिक भवन का निर्माण	8.60
	ट्रांसमिशन लाइन के निकट पनबू गांव में टैंक के साथ जलापूर्ति लाइन उपलब्ध कराना	26.20
पर्यावरण	गांव में सौर स्ट्रीट लाइट लगाना और सौर लालटेन वितरित करना	4.50
खेल	स्थानीय उत्सवों के प्रायोजन के माध्यम से ग्रामीण खेल और स्थानीय संस्कृति को बढावा	0.45
	कुल	201.24

तीस्ता परियोजना, चरण-IV पोस्ट ऑफिस-सिंगताम, पूर्वी सिक्किम (सिक्किम)

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
शिक्षा	एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्कॉलरशिप वितरण	1.92
स्वास्थ्य देखभाल	स्वच्छ भारत अभियान	0.98
	कुल	2.90

क्षेत्र : सुबनसिरी

सुबनसिरी लोअर परियोजना, कोलाप्तुकर (अरूणाचल प्रदेश)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय

स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	3831.54
पर्यावरण	परियोजना क्षेत्रों में और आसपास उष्मा व्यवस्था सहित सौर स्ट्रीट लाइट पोल की स्थापना	9.21
	जैव विविधता पार्क का सृजन : सूचना केंद्र और सुविधा भवन	38.48
शिक्षा	एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्कॉलरशिप वितरण	3.64
	ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण	33.59
	कौशल विकास कार्यक्रम	16.70
	चरण-I : वीकेवी छात्रावास और अकादमिक भवन का निर्माण	220.42
स्वास्थ्य देखभाल	सार्वजनिक क्षेत्र, सामुदायिक केंद्र इत्यादि में आवश्यकताअनुरूप बोरवेल और फिल्टरेशन सहित साफ पेयजल सुविधा	412.70
	चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	33.11
	गोरसोमस्तूप, जेमिथांग, तवांग में पुरूष और महिला शौचालयों का निर्माण	5.66
ग्रामीण विकास	कुलापतुकर में परियोजना द्वारा गोद लिए गए गांव में स्वच्छता और जलापूर्ति व्यवस्था का विकास	7.90
	ज्योतिनगर आदर्श एलपी स्कूल, ग्राम कर्कानी, जिला लखिमपुर, असम में चारदिवारी का निर्माण	3.90
	आवश्यकता अनुरूप विविध सीएसआर गतिविधियां	11.05
	नैचो सर्किल, उपरी सुबनसिरी जिले के आयंगमोरी में सेमी आरसीसी सामुदायिक भवन का निर्माण	10.00
कला और संस्कृति	जनरल ग्राउंड, डम्पोरिजो, ऊपरी सुबनसिरी जिले में दो मंजिले मंच का निर्माण	10.00
	कुल	4707.90

क्षेत्र : ईटानगर

दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना, जिला लोअर दिबांग घाटी (अरूणाचल प्रदेश)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	5.41
शिक्षा	आईटीआई: आईटीआई रोईंग, इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के लिए ईएमटी किट उपलब्ध कराना	4.43
	आईटीआई: आईटीआई रोईंग (सर्वेक्षक ट्रेड), को सर्वेक्षण उपकरण उपलब्ध कराना	3.25
	आईटीआई: आईटीआई रोईंग को एक पुराना पेट्रोल वाहन (मारूति कार) उपकरण उपलब्ध कराना	0.85
	आईटीआई: आईटीआई रोईंग के प्रशिक्षुओं को छात्रवृति वितरण	3.30
	एनएचपीसी छात्रवृति योजना के अंतर्गत पीएएफ के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण	5.49
	मायू-II गांव और केरा-आ विद्यालय को सहायता	3.05
ग्रामीण विकास	केवाबोलिन गांव में सीसी फुटस्टेप का निर्माण	0.99
पर्यावरण	पीएएप को सौर लालटेन वितरण	0.03
	कुल	26.80

तवांग परियोजना, चरण-I जिला तवांग (अरूणाचल प्रदेश)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वास्थ्य देखभाल	डीएमओ (तवांग) की आवश्यकता के अनुसार अस्पतालों के लिए चिकित्सा शिविरों/किट की व्यवस्था	0.47
शिक्षा	परियोजना क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप	2.84
	परियोजना क्षेत्र में विद्यालय (जीएसएस, ल्हाउ,	6.40

	जीएसएस जांग) और अन्य विद्यालयों तथा शैक्षणिक संगठनों में स्मार्ट क्लासरूम (प्रोजेक्टर, स्क्रीन, कंप्यूटर इत्यादि) की व्यवस्था।	
	डीडीएसई, तवांग की आवश्यकता के अनुसार जीएसएस ल्हाउ में शेल्फ वितरण	1.95
खेल	स्थानीय खेल गतिविधियों को बढ़ावा	0.84
	कुल	12.50

तवांग परियोजना, चरण-II, जिला-तवांग (अरूणाचल प्रदेश)

*राशि लाख रुपए में

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण	9.57
स्वास्थ्य देखभाल	जिला चिकित्सा अधिकारी (तवांग) की आवश्यकता अनुसार अस्पतालों के लिए चिकित्सा शिविरों/किट की व्यवस्था	1.02
शिक्षा	परियोजना क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप	5.24
	परियोजना क्षेत्र (तवांग जिले) में विद्यालय (राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लुमला) और प्राथमिक विद्यालय सकयूर और अन्य विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम (प्रोजेक्टर, स्क्रीन, कंप्यूटर इत्यादि) की व्यवस्था।	4.64
	डीडीएसई तवांग की अपेक्षानुसार परियोजना क्षेत्र में विद्यालयों के लिए डेस्क, बेंच इत्यादि की व्यवस्था	3.92
	कुल	24.40

अन्य स्थान

कॉरपोरेट कार्यालय फरीदाबाद (हरियाणा):

सेक्टर	सीएसआर गतिविधियां	व्यय
पर्यावरण	फरीदाबाद में विभिन्न स्थानों पर 35 वाट की 200 एलईडी सौर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और लगाने की व्यवस्था	10.00
	कुल	10.00

एनएचपीसी द्वारा सीएसआर गतिविधियों की झलकियां

Providing Medical Equipment to District Hospital, Kishtwar by Dulhasti Power Station (J&K)

Providing Dustbins to Local Community by Dulhasti Power Station (J&K)

दुलहस्ती बिजली केंद्र (जम्मू-कश्मीर) द्वारा जिला अस्पताल किश्तवार को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराया जाना।

दुलहस्ती बिजली केंद्र (जम्मू-कश्मीर) द्वारा स्थानीय समुदाय को डस्टबिन उपलब्ध कराया जाना।

चुटक बिजली केंद्र (जम्मू-कश्मीर) द्वारा स्थानीय युवतियों को सिलाई मशीन वितरण।

चुटक बिजली केंद्र (जम्मू-कश्मीर) द्वारा निकट के गांव को टैंकर के जरिये पेयजल आपूर्ति।

सेवा-II बिजली केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर द्वारा विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण।

Free Eye Check Up Camp by TLDP-IV (W.B.)

Beekeeping Training in Progress, Parbati-II Project

टीएलडीपी-**IV** पश्चिम बंगाल द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर।

परबती-**II** परियोजना क्षेत्र में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण।

Distribution of Scholarship to Students by TLDP-IV (W.B.)

Installation of Solar Lights by Subansiri Lower Project (Arunachal Pradesh)

टीएलडीपी-**IV** पश्चिम बंगाल द्वारा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण।

सुबनसिरी लोअर परियोजना (अरूणाचल प्रदेश) द्वारा सौर लाइट स्थापना ।

Construction of Skill Training Centre at Gerukmukh by Subansiri Lower Project (Arunachal Pradesh)

Providing Drinking Water Facility for Schools by Subansiri Lower Project (Arunachal Pradesh)

सुबनसिरी लोअर परियोजना (अरूणाचल प्रदेश) द्वारा गेरुकमुख में कौशल प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण।

सुबनसिरी लोअर परियोजना (अरूणाचल प्रदेश) द्वारा स्कूलों के लिए पेयजल सुविधा उपलब्ध कराया जाना।

Providing Mobile Medical Units (MMUs) for Health Outreach Services in Assam by Subansiri Lower Project

Medical Camps Organized by Subansiri Lower Project (Arunachal Pradesh)

सुबनसिरी लोअर परियोजना द्वारा असम में स्वास्थ्य संपर्क सेवा के लिए मोबाईल चिकित्सा यूनिट उपलब्ध कराया जाना।

सुबनसिरी लोअर परियोजना (अरूणाचल प्रदेश) द्वारा चिकित्सा शिविरों का आयोजन।

Furniture display at Artfed, Dhemaji by women during training, Subansiri Lower Project

Skill Development Prog. for making Incense sticks, Subansiri Lower Project

सुबनसिरी लोअर परियोजना प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं द्वारा आर्टफेड, धेमाजी में फर्नीचर प्रदर्शनी।

सुबनसिरी लोअर परियोजना द्वारा अगरबत्ती बनाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम। ।

एनएचपीसी सीएसआर

से देश के दूरदराज के क्षेत्रों में मुस्कान की लहर

एनएचपीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

सीएसआर और एसडी विभाग

निगम मुख्यालय

एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सेक्टर -33, फरीदाबाद- 121003 (हरियाणा)

सीआईएनः एल40101एचआर 1975 जीओआई 032564

दूरभाषः 0129-2258331, ई.मेलः **nhpccsr@yahoo.com**

वेबसाईट : **www.nhpcindia.com**